कार्यालय प्रयोग हेतु

अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा ।

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण पंचकूला 2007–08

जारीकर्ता :
जिला सांख्यिकीय अधिकारी
पंचकूला ।

आमुख

प्रस्तुत संस्करण जिला सामाजिक आर्थिक पुर्नरीक्षण पंचकूला का 11 वां अंक है । इसमे जिले की सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति पर लगभग सभी महत्वपूर्ण सामाजिक तथा आर्थिक पहलुओ विशेषकर क्षेत्रफल, जनसंख्या, कृषि सिंचाई, वन पशुपालन , मत्स्य, बिजली, उघोग, श्रम तथा रोजगार परिवहन संचार स्वास्थ्य, शिक्षा, सहकारिता , बैकिग तथा कीमतें आदि के बारे मे व्यापक आंकडे सम्मिलित किये गये हैं । आशा है कि इस प्रकाशन मे दी गई सूचना सामाजिक तथा आर्थिक विकास मे रूचि रखने वाली संस्थाओ तथा प्रकाशन एवं अनुसन्धान कार्यकर्ताओ के लिए अति लाभदायक एवं उपयोगी सिद्व होगी ।

इस प्रकाशन में दिये गये आंकडों को भली–भातिं जानने के लिए विभिन्न सारणियों में प्रयुक्त संकल्पनाओं और परिभाषाओं की प्रत्येक खण्ड के आरम्भ में संक्षिप्त व्याख्यां दी गई है।

मै जिला पंचकूला के विभिन्न के जिलाध्यक्षों कार्यालयो एवं विभिन्न एंजैसियो के प्रति आंकड़े प्रदान करने की सामयिक सहायता के लिए आभारी हूं । उनके सहयोग के बिना यह कार्य निर्धारित समय पर पूरा होना असंम्भव था ।

इस कार्यालय के श्री मति कृष्णा, सांख्यिकीय सहायक तथा कु0 पावस शर्मा, अवर क्षेत्रीय अनुसंधाता का इस संस्करण को तैयार करने के लिए आभार प्रकट किया जाता है।

(डा0 महेन्द्र सिंह लुहाच,)
जिला सांख्यिकीय अधिकारी,
पंचकूला ।

पंचकूला :
दिनांक :

विषय सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	विषय एवं भौगोलिक स्थिति	1
1.1	परिचय	1
1.2	क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक ढांचा	1
1.3	गांव	1
1.4	नगर	1
1.5	कस्बे	1
1.6	भौगोलिक स्थिति	2
2	जनसंख्या	
2.1	जनसंख्या	2
2.2	घनत्व	2
2.3	ग्रमीण एवं शहरी जनसंख्या	3
2.4	लिंग–भेद	3
2.5	कार्यकर्ता	3
2.6	अनुसूचित जातियॉ	3
2.7	साक्षरता	3
2.8	परिवारों की संख्या	3
3	वन	
3.1	वन के अधीन क्षेत्र	4
3.2	वन आय	4
3.3	सामाजिक वानिकी परियोजना	4
4	कृषि	
4.1	भूमि की उपयोगिता	5
4.2	भूमि जोत	5
4.3	मुख्य फसलों के अधीन क्षेत्र	5
4.4	कृषि उपज एवं मुख्य फसलो का उत्पादन	6
4.5	बीजो की उन्नत किस्मे के नमूने	6
4.6	मिट्टी व पानी का विश्लेषण	6
4.7	उर्वरक की खपत	6
4.8	संग्रह एवं विपणन	7
4.9	भूमि विकास कार्यक्रम	7
4.10	कृषि उपकरण एवं यन्त्र	7

5	**<u>सिंचाई</u>**	
5.1	सिचाई	7
5.2	फसलवार सिंचित क्षेत्र	7
6	**<u>पशुपालन</u>**	
6.1	पशुधन	7
6.2	कुक्कुटादि पालन	7
6.3	रोग नियन्त्रक कार्य	7
6.4	पशु चिकित्सा सेवाऍं	8
6.5	20 सूत्रीय कार्यक्रम	8
6.6	मिल्क प्लांट	8
7	**<u>मत्स्य</u>**	
7.1	प्रशासन एवं मत्स्य उत्पादन	9
7.2	मत्स्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	10
7.3	20 सूत्रीय कार्यक्रम के अर्न्तगत मत्स्य पालन	10
8	**<u>विघुत्</u>**	
8.1	विघुतीकृत कस्बे एवं गांव व नलकूपो की संख्या	11
8.2	बिजली की खपत	11
9	**<u>खनिज एवं उघोग</u>**	
9.1	खनिज उत्पादन	11
9.2	उघोग	11
9.3	आर्थिक गणना	12
9.4	औघौगिक सम्पदा	12
9.5	लघु उघोग	12
10	**<u>सड़क परिवहन एवं सुधार</u>**	
10.1	सडकों की लम्बाई	12
10.2	परिवहन सुविधा	13
10.3	पंजीकृत मोटर गाडियॉ	13
10.4	डाक व तार घर	13
11	**<u>काम तथा रोजगार</u>**	
11.1	औघौगिक झगडे	13
11.2	रोजगार	13
11.3	औघौगिक प्रशिक्षण	14
11.4	श्रमिक की औसत दैनिक मजदूरी	14

12 सहकारिता

12.1 समितियॉ 14

12.2 उधार समितियॉ 14

13 बैंक

13.1 बैको की संख्या 14

14 कीमतें

14.1 थोक भाव 14

14.2 औसतन खुदरा भाव 14

15 शिक्षा

15.1 विघालय एवं महाविघालय 15

15.2 अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम 15

16 चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य सेवाएँ

16.1 स्वास्थ्य सेवाएँ 15

16.2 जन्म एवं मृत्यु 15

16.3 परिवार कल्याण कार्यक्रम 15

16.4 पीने के पानी की सुविधा प्राप्त गांव 16

17 कमजोर वर्ग

17.1 विशेष कार्यक्रम 17

17.2 संघन शिशु विकास कार्यक्रम 18

17.3 जिला ग्रमीण विकास अभिकरण 18

17.4 खादी एवं ग्रम बोर्ड 19

17.5 आवास योजना 19

18 विविध

18.1 नगरपालिकाएँ 19

18.2 हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण 19

18.3 पुलिस अपराध एवं कारागार 20

18.4 दमकल केन्द्र 20

18.5 मनोरंजन 20

18.6 खेलकूद सुविधाएँ 20

18.7 लघु सचिवालय 20

18.8 पंचकूला मे सरकार के अधीन अमला के आंकडे 20

वर्ष 2007–08
जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण
पंचकूला

पष्चिम एंव भौगोलिक स्थिति

1.1 परिचय

जिला का उदय 15 अगस्त 1995 को हुआ । यह हरियाणा राज्य का 17 वां जिला बना है । इसके पूर्व में हिमाचल प्रदेष, पष्चिम में जिला पटियाला पंजाब प्रदेष उतर में केन्द्र शासित प्रदेष चण्डीगढ़ व दक्षिण में हरियाणा राज्य का जिला अम्बाला है । यह 30.41′ से 76.51′ उत्तर पष्चिम में पूर्वी सामान्तर भाग के बीच तथा उत्तरी अक्षांष में समुद्र तल से 1202.5 फुट की उंचाई पर स्थित है ।

प्रचलित मतानुसार जिला पंचकूला का नाम पंचकूला था । यह अम्बाला जिले से क्षेत्र निकालकर बनाया गया था ।

1.2 क्षेत्रफल तथा प्रषासनिक ढांचा

जिला पंचकूला का कुल क्षेत्रफल 898 वर्ग किलोमीटर जोकि राज्य के कुल क्षेत्र का 2.03 प्रतिषत है । वर्ष 2001 की जनगणना अनुसार जिले की कुल जनंसख्या 468411 है । इस जिले में दो तहसीलें हैं जिनके नाम कालका तथा पंचकूला है । बरवाला ,रायपुररानी तथा मोरनी तीन उप–तहसीलें भी हैं । वर्ष 2001 की जनगणना अनुसार जिला पंचकूला में कुल क्षेत्रफल का 17.15 प्रतिषत कालका तथा 82.85 प्रतिषत पंचकूला में है ।

1.3 गांव

जिला पंचकूला में कुल 236 गांव हैं जिसमें 224 गांव आबाद तथा 12 गैर–आबाद हैं । 236 गांव को चार खण्डों में विभाजित किया गया है । ये विकास खण्ड पिंजौर, बरवाला, मोरनी तथा रायपुररानी हैं ।

1.4 नगर

जिले में दो नगर जिनके नाम पंचकूला तथा कालका हैं ।

1.5 कस्बे

जिले में कुल 162 पंचायतें हैं । जिले में 3 नियमित मंण्डियां तथा 3 सब–यार्ड हैं और 4 कानूनगों सर्कल हैं ।

1.6 भौगोलिक स्थिति

जिला पंचकूला में कई तरह के धरातल पाये जाते हैं जैसे षिवालिक की पहाड़ियां उप–पर्वतीय क्षेत्र हैं । जिले की दोनों तहसीलें षिवालिक की पहाड़ियों से मिलती हैं । यह जिला हिमाचल प्रदेष के जिला सोलन की सीमा रेखा से मिलता है ।

जिले की जलवायु

जिले की जलवायु गर्मियों में गर्म तथा सर्दियों में ठण्डी रहती है । वर्षा ऋतु जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में शुरु हो जाती है तथा सितम्बर मास के अंत तक जारी रहती है । वर्ष 2007 में 827.5 मि0मी 0 औसत वर्षा हुई ।

भू–भाग

जिला पंचकूला में कई प्रकार की मिट्टी पाई जाती है जिले के पहाड़ी क्षेत्र में औसत वर्षा 1100 मि0मी0 से 1200 मि0मी0 है । यहां उदासीन प्रतिक्रिया वाली मिट्टी पाई जाती है जिसमें नाईट्रोजन व फासफोर्स की कमी है । यह जमीन अधिक वर्षा कारण भूमि कटाव से ग्रस्त होती हैं । षिवालिक के उप–पर्वतीय क्षेत्र की पहाड़ियों में दोमट मिट्टी के कण पाये जाते हैं । अधिक वर्षा तथा ढलान कारण जमीन में कंकर,पत्थर पाये जाते हैं । मिट्टी की बनावट दोमट से रेतीली, रेतीली से दोमट वाली लवणीय तथा क्षारीय तत्व की भी समस्या पाई जाती है । नदियों वाले क्षेत्र में चिकनी दोमट मिट्टी मिलती है । यह जमीन गहरी होती है तथा जल निकास भी कुछ खराब पाया जाता है ।

2 जनसंख्या

2.1 जनसंख्या

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार जिले की कुल जनसंख्या 468411 है जिनमें से 256939 पुरुष तथा 211472 स्त्रियां हैं इस जिले में दो तहसीलें जिनकी कुल जनसंख्या 260016 है । इसमें तहसील पंचकूला की जनसंख्या 185926 तथा तहसील कालका की जनसंख्या 74090 है ।

2.2 घनत्व

इस जिले का कुल क्षेत्रफल 898 वर्ग किलोमीटर है तथा यहां की जनसंख्या का घनत्व 522 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है जबकि राज्य की कुल जनसंख्या का घनत्व 478 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है ।

2.3 गामीण एंव शहरी जनसंख्या

2001 की जनगणना अनुसार जिला पंचकूला में कुल ग्रामीण 260016 व्यक्ति जबकि कुल शहरी 208395 व्यक्ति है ।

2.4 लिंग–भेद

2001 की जनगणना के अनुसार जिला पचंकूला में प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या 823 है । हरियाणा राज्य में यह संख्या 861 है तथा भारतवर्ष में यह संख्या 933 है।

2.5 कार्यकर्ता

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार मुख्य कार्यकर्ताओं की संख्या 178644 है जोकि कुल जनसंख्या का 38.40 प्रतिषत है। इन कार्यकर्ताओं का 16.88 प्रतिशत कृषक, 6.10 प्रतिषत मजदूर 3.15 प्रतिषत औधौगिक धन्धों में लगे हुए हैं । शेष 73.87 प्रतिषत अन्य सेवाओं में कार्यरत हैं ।

2.6 अनुसूचित जातियां

2001 की जनसंख्या अनुसार जिला एंव हरियाणा राज्य में अनुसूचित जाति के कबीलों से सम्बंधित कोई आबादी नहीं है। राज्य की कुल जनसंख्या का 19.35 प्रतिषत भाग अनुसूचित जाति का है। जबकि जिला में 15.51 प्रतिषत अनुसूचित जाति रहती हैं। वर्ष 2001 की जनसंख्या अनुसार कुल अनुसूचित जाति की संख्या का 19.20 प्रतिषत भाग ग्रामीण क्षेत्र में तथा 10.91 प्रतिषत भाग शहरी क्षेत्र में निवास कर रहा है।

2.7 साक्षरता

वर्ष 2001 की जनगणना अनुसार पचंकूला जिले में 74 प्रतिषत लोग साक्षर हैं जबकि हरियाणा राज्य में 67.91 प्रतिषत साक्षर हैं । पंचकूला जिला के ग्रामीण क्षेत्र में 66.62 प्रतिषत व शहरी क्षेत्र में 82. 91 प्रतिषत लोग साक्षर हैं ।

2.8 परिवारों की संख्या

वर्ष 2001की जनगणना अनुसार जिले में कुल 92593 परिवार हैं जिनमें से 49.87 प्रतिषत लोग ग्रामीण क्षेत्र में तथा 50.13 प्रतिषत लोग शहरी क्षेत्र में रहते हैं।

3—वन

3.1 वन के अधीन क्षेत्र

जिला पंचकूला में वर्ष 2007—08 में गांवों के प्रपत्रों के अनुसार वनों के अधीन 38200 हैक्टयर है जोकि कुल क्षेत्र का 42.54 प्रतिशत है । वनों के अधीन कुल वन क्षेत्र का 24.52 प्रतिषत है। पंचकूला तहसील में 56.67 तथा 23.36 प्रतिषत कालका तहसील में है। वनों के लिए विकास योजना के कृषि क्षेत्र वानिकी तथा सामाजिक वानिकी पंचकूला के अधीन कार्य कर रही है ।

3.2 वन आय

वर्ष 2007—08 दौरान जिला में वृक्षों की बिक्री, घास बीज रोपण तथा अन्य विविध मदों से 678477/— रूपये की आय हुई ।

3.3 सामाजिक वानिकी परियोजना

सामाजिक वानिकी परियोजना विश्व बैंक की सहायता से वनों के प्रतिनामित मास 8/1982 से हरियाणा में चल रही है । यह परियोजना पांच वर्षो की अवधि के लिए थी किन्तु सरकार द्वारा वर्ष 1990/1991 तक इसका विस्तार कर दिया गया था। अब यह परियोजना राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही है ।

इसके निम्न उद्देष्य थेः

1. कृषि अर्थ व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए पर्यावरण में सुधार करना है
2. अकुषल खेतीहर मजदूरों के लिए एक करोड़ मानव दिवसों को सीधा रोजगार जुटाना ।
3. उपजाऊ कृषि योग्य भूमि को रेगिस्तान के खतरों से बचाना ।
4. भू—सरंक्षण तथा जल—निकास नालियों को विनियमित करना ।
5. वनों के महत्व से जनता को षिक्षित करना ।
6. जवाहर रोजगार योजना के अंतर्गत पंचायत क्षेत्रों/सामुदायिक क्षेत्र पर पौधारोपण करवाना
7. अलकली भूमि में पौधारोपण करवाना ।

	उपलब्ध	उपलब्धी 2007—08	निर्धारित लक्ष्य 2007—08
1.	फार्म फारेस्ट्री (lacs)		
	1A. Free supply to other		
2.	Deptt. & farmers सम्बंधित	**8.00** लाख	**8.00** लाख

4 कृषि

4.1 भूमि की उपयोगिता

गांवो के प्रपत्रों अनुसार वर्ष 2007–08 में कुल भौगोलिक क्षेत्र 57 हजार हैक्टेयर है । इसका 3.51 प्रतिषत क्षेत्र वनों के अधीन है तथा 31.58 प्रतिषत क्षेत्र गैर–कृषि परियोजनाओं में लगाया गया है । कृषि अयोग्य और बंजर भूमि के अधीन कुल क्षेत्र का 5.26 प्रतिषत है ।

वर्ष 2007–08 में बोया गया निविल क्षेत्र 24 हजार हैक्टेयर है कृषि योग्य क्षेत्र 34 हजार हैक्टेयर है एक से अधिक बार बोया गया निविल क्षेत्र 18 हजार हैक्टेयर है । जिससे कुल कास्त अधीन क्षेत्र 42 हजार हैक्टेयर हो गया है ।

बोया गया निविल क्षेत्र तहसील पंचकूला में 17.0 हजार हैक्टेयर तथा तहसील कालका में 6.0 हजार हैक्टेयर है। इसी प्रकार एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र जिला पंचकूला में 15.0 हजार हैक्टेयर है ।

4.2 भूमि जोत

वर्ष 1995–96 की कृषि गणना अनुसार जिले में जोतों की कुल संख्या 28901 है जिसमें कुल क्षेत्र 32997 हैक्टेयर है। 0.5 हैक्टेयर से नीचे जोतों की संख्या 14434 जो कुल जोतों को 49.94 प्रतिषत जिसका क्षेत्र 3000 हैक्टेयर है । इसी प्रकार 0.5 से 1.0 हैक्टेयर आकार के बीच (कुल जोतों का 12.45 प्रतिषत) 4131 हैक्टेयर क्षेत्र में 1.0 से 2.0 हैक्टेयर आकार के बीच 3600 जोतें है। (कुल जोतों का 12.45 प्रतिषत) 5180 हैक्टेयर क्षेत्र में 2.0 से 3.0 हैक्टेयर आकार की संख्या 1735 (कुल जोतों का 6.0 प्रतिषत) 4302 हैक्टेयर क्षेत्र में 3.0 से 4.0 हैक्टेयर आकार की 1238 जोतें हैं जो (कुल जोतों का 4.28 प्रतिषत) 42. 18 हैक्टेयर क्षेत्र मे, 4.0 से 5.0 हैक्टेयर आकार की 586 जोतें (कुल जोतों का 2.02 प्रतिषत) 2759 हैक्टेयर क्षेत्र में, 5.0 से 7.5 हैक्टेयर आकार की 518 जोतें (कुल जोतों का 1.79 प्रतिषत) 3304 हैक्टेयर क्षेत्र में 7.5 से 10.0 हैक्टेयर आकार की 261 जोते (कुल जोतों का 0.9प्रतिषत) 2240 हैक्टेयर क्षेत्र में तथा 10.0 से 20.0 हैक्टेयर आकार की 162 जोते (कुल जोतों का 0.56 प्रतिषत) 2231 हैक्टेयर क्षेत्र में 20.0 हैक्टेयर व इससे उपर की 38 जोतें (कुल जोतों का 0.13 प्रतिषत) 1631 हैक्टेयर क्षेत्र मे है। इसी प्रकार जिले में जोत का आकार 1.14 हैक्टेयर है।

4.3 मुख्य फसलों के अधीन क्षेत्र

रबि की मुख्य फसलें गेहूं व चना तथा खरीफ की फसलें धान, मक्की, गन्ना व मूंगफली हैं। वर्ष 2006–07 में 17000 हैक्टेयर में गेंहू 300 हैक्टेयर में चना की बिजाई की गई जबकि खरीफ में 500 हैक्टेयर में

बाजरा 7300 हैक्टेयर में धान 700 हैक्टेयर में गन्ना तथा 8200 हैक्टेयर में मक्की की बिजाई की गइ वर्ष 2006–07 में लगभग 1321 हैक्टेयर क्षेत्र फल व सब्जियों के अधीन था ।

विभिन्न फसलों के अधीन क्षेत्र का विवरण निम्न प्रकार से है :– (हजार हैक्टेयर में)

फसल	2006–07	2007–08
गेहूं	17.0	16.9
चन्ना	0.5	0.3
मक्की	10.3	8.2
धान	6.1	7.3
बाजरा	0.7	0.5
गन्ना	1.1	0.7
कपास	/./	/./

4.4 कृषि उपज व मुख्य फसलों का उत्पादन

फसलों का उत्पादन सफलता पूर्वक बढ़ाने के लिए जिले के प्राकृतिक साधनों जैसे वर्षा, जलवायु भूमि का उपजाउपन आदि की क्षमता काफी है अतः ये फलों एंव सब्जियों के उत्पादन के लिए अनुकूल है । गेहूं का उत्पादन वर्ष 2005–06 में 32000 टन था जोकि 2006–07 में 40000 टन ही रहा। इसी प्रकार वर्ष 2007–08 में चावल एंव मक्की का उत्पादन भी 28000 टन व 18000 टन था ।

4.5 बीजों की उन्नत किस्मों के नमूने

वर्ष 2007–08 में 17000 हैक्टेयर में गेहूं 7300 हैक्टेयर में धान व 1100 हैक्टेयर में गन्ने के उन्नत बीजों की बिजाई की गई।

4.6 मिट्टी व पानी के नमूनों का विश्लेषण

जिला पंचकूला में भूमि परीक्षण के लिए 1 प्रयोगशाला हैं जिसमें वर्ष 2007–08 में 1667 मिट्टी के नमूनों का तथा 3 पानी के नमूनो का विष्लेषण किया गया ।

4.7 उर्वरक की खपत

जिला पंचकूला में उर्वरक उत्पादन बढ़ाने का एक मुख्य साधन है वर्ष 2007–08 में उर्वरकों पर खपत 5574 मीट्रिक टन रही जबकि वर्ष 2006–07 में 6474 मीट्रिक टन थी। यहां की भूमि में फास्फोरस तथा नाईटोजन की न्यूनता के कारण उर्वरकों का प्रयोग बड़ा ही लोकप्रिय है । उर्वरकों के उपयोग में नाईट्रोजन की मात्रा 73.87 प्रतिषत फास्फोरस की मात्रा 24.07 प्रतिषत तथा पोटाष की माव्रा 1.03 प्रतिषत थी

4.8 संग्रहण तथा विपणन

जिला पंचकूला में 3 नियमित मण्डियां हैं जिनमें कृषि पदार्थो का क्रय–विक्रय किया जाता है। सभी नियमित मण्डियों में किसान विश्राम गृह का निर्माण किया गया है जिनमें रहने की सभी सुविधाऐं उपलब्ध हैं ।

वर्ष 2007–08 में गेहूं की आमद 20.0 हजार टन थी जबकि वर्ष 2006–07 में यह 6.0 हजार टन थी । इसी प्रकार धान की आमद वर्ष 2007–08 में 49 हजार टन रही जोकि वर्ष 2006–07 में 52.7 हजार टन थी। इसी प्रकार वर्ष 2006–07 में गुड़/षक्कर की आमद 0.1 हजार टन रही जबकि वर्ष 2005–06 में 0 हजार टन थी । भारतीय खाद्य निगम,वेयर हाउसिंग निगम तथा हरियाणा राज्य सरकारी विपणन संघ (हैफेड) राज्य में विभिन्न संस्थाओं पर संग्रह की सुविधा प्रदान करते हैं ।

4.9 भू–विकास कार्यक्रम

संघन ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंर्तगत भूमि समतल करने के लिए विकास कार्यक्रम तथा भूमि सुधार कार्यक्रम चल रहे है ।

4.10 कृषि उपकरण एंव यन्त्र

कृषि की उन्नत तकनीकी अपनाने कारण कृषि उपकरणों व यन्त्रों की संख्याा में 0 वृद्धि हुई है । यहां के किसान प्रगतिषील हैं । इनमें नवीनतम तकनीक तथा कृषि की आधुनिक विधि अपनाने की उत्सुकता है। जिले में कृषि उपकरण एंव यंत्र अनुसार वर्ष 2007–08 में डीजल सैटों की संख्या 2212 व बिजली के सैटों की संख्या 2822 थी । जिले में ट्रेक्टरों की संख्या 2100 थी ।

5 सिंचाई

5.1 सिंचाई

वर्ष 2007–08 में सिंचित निविल क्षेत्र 5 हजार हैक्टेयर रहा जबकि वर्ष 2005–06 में 5 हजार हैक्टेयर था । जिले में मुख्य सिंचाई साधन नलकूप तथा प्राकृतिक वर्षा है । भूमि उंची नीची होने के कारण नहरों द्वारा सिंचाई नहीं की जाती । वर्ष 2006–07 में कुल सिंचित क्षेत्र 24 हजार हैक्टेयर रहा जबकि वर्ष 2005–06 यह क्षेत्र 20 हजार हैक्टेयर था । नलकूपों द्वारा वर्ष 2006–07 में कुल सिंचित क्षेत्र 3 हजार हैक्टेयर था । इस 2 हजार हैक्टेयर का 81.0 प्रतिषत तहसील पंचकूला में तथा 19.0 प्रतिषत तहसील कालका में सिंचित क्षेत्र था ।

5.2 फसलवार सिंचित क्षेत्र

वर्ष 2007–08 में कुल सिंचित क्षेत्र 23 हजार हैक्टेयर था । इस 20 हजार हैक्टेयर का 81 प्रतिशत तहसील पंचकूला में तथा 19 प्रतिषत तहसील कालका में सिंचित क्षेत्र था ।

वर्ष 2007–08 में कुल सिंचित क्षेत्र 24 हजार हैक्टेयर रहा जोकि कास्त अधीन क्षेत्र का 42.55 प्रतिषत रहा था । कुल सिंचित क्षेत्र में गेहूं का सिंचित क्षेत्र 13.0 हजार हैक्टैयर था जिसका 75 प्रतिषत भाग पंचकूला तहसील तथा 25 प्रतिषत भाग कालका तहसील में था ।

इसी प्रकार कुल सिंचित क्षेत्र में धान का सिंचित क्षेत्र 7 हजार हैक्टेयर जिसका प्रतिषत तहसील पंचकूला में 80.0 तथा 20.0 प्रतिषत तहसील कालका में था ।

6 पषुपालन

6.1 पषुधन

वर्ष 2007 की पषुधन गणना के अनुसार जिले में पषुधन संख्या 1.28 लाख है । कुल पशुओं की संख्या 29200 भैसों की संख्या 68300, भेड़, 2300 बकरियों की संख्या 14000, घोड़े एंव सुअरों की संख्या 1200 थी । जिले में वर्ष 2004–05 में मान्यता प्राप्त बूचड़खानों की संख्या 0 थी जिनमें 0 भेड़ें 0 बकरियां 0 सुअरों का वध किया गया ।

6.2 कुक्कुट्ादि पालन

वर्ष 2003 के अनुसार कुक्कट्ादि की संख्या 4448800 है ।

6.3 रोग नियन्त्रक कार्य

जिलें में रोगों की रोकथाम हेतू पूर्ण सर्तकता बरती जाती है तथा छूतछात के रोगों के बचाव हेतू टीके लगाये जाते हैं । वर्षा ऋतु में इस ओर विषेष ध्यान दिया जाता है । इस प्रकार निम्न प्रकार के टीकाकरण किया जाता है।

	2005–06	2006–07	2007–08
आर0पी0	––	––	––
एच0एस	86000	72000	77000
वी0क्यू0	1000	––	––
आर0के0	185000	280000	34000
एफ0पी0	80000	176000	54000
षीप पाक्स	1000	3000	2000
फुट माउथ	69000	78000	77000
स्वाईन फीवर	1000	––	1000
ठन्टरटोकिसमया	––	3000	––
अन्य	––	3000	1000
पी0पी0आर	8000	––	––

6.4 पशु चिकित्सा सेवाऐं

जिले में वर्ष 2007–08 में 15 पशु चिकित्सा हस्पताल 30 पशु चिकित्सा डिस्पैंसरी 0 क्षेत्रीय कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र 0 सटाकमैन/मुख्य

ग्राम केन्द्र कार्य कर रहे हैं । वर्ष 2007–08 में आउट डोर केसज व बान्ध्याकरण की संख्या 67000 है जिनको मुफत चिकित्सा प्रदान की गई है ।

7. अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम

7.1 20 सूत्रीय कार्यक्रम

हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम का मुख्य उदेष्य अनुसूचित जाति के सदस्यों को विभिन्न आय उपार्जन योजनाओं के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाकर उनका जीवन स्तर ऊचां उठाना हैं ।

निगम अनुसूचित जाति के उन परिवारों को जिनकी वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्रों में 20000 रूपये तथा शहरी क्षेत्रों में 27500 रूपये है को विभिन्न आय उपार्जन योजनाओं जैसे पषुपालन, हथकरघा, आटा चक्की, दरी बनाना, चमडा व चमडे के कार्य, फोटोग्राफी तथा आटोरिक्षा इत्यादि स्कीमों के लिए 1.00 लाख रूप्ये तक वित्तीय सहायता बैंकों के माध्यम से उपलब्ध करवाता हैं । इन स्कीमों के अधीन निगम द्वारा कुल योजना लागत का 50 प्रतिषत अनुदान के रूप में अनुदान की अधिकतम सीमा 10,000 रूप्ये है,10 प्रतिषत सीमान्त धन के रूप में तथा शेष बैंकों से बैंक ऋण के रूप में उपलब्ध करवाई जाती हैं। सीमान्त धन 3 प्रतिशत वार्षिक दर से दिया जाता है जिसकी वसूली 5 वर्षो में 6 माही बराबर किश्तों में की जाती है। पहले 6 मास में केवल ब्याज की वसूली की जाती हैं।

वर्ष 2005–06 में लाभान्वित व्यक्तियों के लक्ष्य व उपलब्धी निम्न प्रकार से हैः–

वर्ष	लक्ष्य	उपलब्धी
2005–06	475	586
2006–07	300	714
2007–08	300	714

7.3 दुग्ध संयन्त्र

जिला पंचकूला में 2007–08 मे कोई दुग्ध संयत्र नही है।

7.4 प्रषासन एंव मत्स्य उत्पादन

पंचकूला में जिला मत्स्य अधिकारी बैठते है । पंचकूला जिला का ज्यादातार भाग पहाड़ी क्षेत्र हैं फिर भी अनुसंधान के साथ–साथ उत्पादन के क्षेत्र में भी कई तकनीक का विकास हुआ है । इसी प्रकार

नई तकनीक के साथ–साथ संघन मछली पालन द्वारा बेरोजगार व्यक्तियों को गांव के बेकार पड़े तालाबों में मछली पालन करवाकर रोजगार उपलब्ध करवाया हैं प्रायः एक मत्स्य पालक 3000 से 4500 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर वर्ष में उत्पादन कर रहा है । जिला पंचकूला में यह विभाग निम्न गतिविधियों के अंतर्गत पालन कर रहा है ।

1. अधिसूचित प्राणियों में मत्स्य उत्पादन
2. माईक्रोवाटरषैडस में मत्स्य पालन
3. मत्स्य प्रषिक्षण कार्यक्रम
4. मत्स्य पकडने के लिए पार्टियां तैयार करना तथा मछली बिक्री की दुकाने खुलवाना
5. ग्रामीण तालाबों में मत्स्य उत्पादन

1. अधिसूचित जातियों में मत्स्य उत्पादन

जिला पंचकूला में अधिसूचित प्राणियों में मछली पकड़ने का ठेका प्रति वर्ष इस विभाग द्वारा खुली बोली द्वारा जिला पचंकूला व अम्बाला को मिलाकर नीलाम किया जाता है । विभाग द्वारा अधिसूचित प्राणियों में अवैध रुप से पकड़ी जाने वाली मछलियों का सर्वेक्षण किया जाता है । यहां दो मास जुलाई तथा अगस्त में पूर्णतय ठेकेदार द्वारा मछली पकड़ने वाले नियमों के अधीन मना है ताकि मछलियां स्वतन्त्र रुप से प्रजनन कर सकें । जो व्यक्ति इन नियमों की अवेलना करता है उससे मत्स्य नियमों के अधीन मुआवजा लिया जाता है । दो जिलों अम्बाला तथा पंचकूला को मिलाकर अधिसूचित जल क्षेत्र की नीलामी की जाती है । वर्ष 2007–08 में अधिसूचित प्राणियों क्षेत्र से 65000/– रुपये की राषि नीलामी से प्राप्त हुई ।

2. माइक्रोवाटर शैडस में मत्स्य पालन

जिला पंचकूला में कृषि एंव वन विभाग द्वारा षिवालिक पहाड़ियों के नीचे बहने वाले पानी से भूमि कटाव रोकने एंव सिचाई हेतू चैक डेम बनाए गए हैं जिनमें पूरा साल पानी भरा रहता है इस पानी को मत्स्य पालन की दृष्टि से मत्स्य उत्पादन में प्रयोग किया जाता है माईक्रोवाटरश्षैडस में मत्स्य पालन हो रहा है ये वाटर शैडस मत्स्य पालन के इच्छुक व्यक्तियों को लम्बी अवधि के लिए पट्टे पर दिये जाते है । यह विभाग उन व्यक्तियों को प्रषिक्षण देने के बाद मत्स्य बीज की सप्लाई करता है ।

7.2 मत्स्य प्रषिक्षण कार्यक्रम

जिले में मत्स्य पालन के प्रषिक्षण का कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है जिसमें सभी सम्भव जल क्षेत्रों का सर्वे किया जाता है मत्स्य पालन के विकास हेतू इस विभाग द्वारा मत्स्य पालकों को प्रषिक्षण भी दिया जाता है इसके अतिरिक्त मत्स्य पालन पर भाषण

तथा मत्स्य पालन सम्बन्धी फिल्म दिखाई जाती है व फील्ड विजट में प्रैक्टीकल ज्ञान भी दिया जाता है। जिन मत्स्य पालकों ने लम्बी अवधि पर पट्टे पर जल क्षेत्र लिये हुए हैं । उन्हें 10 दिनों का मत्स्य पालन के सम्बन्ध में प्रषिक्षण दिया जाता हैं जो मछेरे मछली पकड़ने का धन्धा करना चाहते हैं उन्हे 10 दिनों का प्रषिक्षण दिया जाता है प्रषिक्षण के दौरान परीक्षार्थियों को 100 रुपये प्रतिदिन की दर से जेब भत्ता दिया जाता है इसके अतिरिक्त तलाबों की खुदाई व सुधार हेतू ऋण व अनुदान की सुविधा भी प्रदान की जाती है । वर्ष 2007–08 में 48 व्यक्तियों को प्रषिक्षण दिया गया तथा 48000 रु0 की वित्तीय सहायता दी गई इसी प्रकार वर्ष 2006–07 में 24 व्यक्तियों को प्रषिक्षण दिया गया व 24000 रु0 की वित्तीय सहायता प्रदान की गई ।

7.3 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत मत्स्य पालन की भूमिका

अनुसूचित जाति के परिवारों को लाभकारी व्यवसाय प्रदान करने के लिए विषेष कदम उठाए जा रहे हैं अनुसूचित जाति के जो लोग मत्स्य पालन के व्यवसाय को जीविका के रुप में अपनाना चाहते हैं उनको मत्स्य पालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है उनको तलाबों के सुधार हेतू बैक ऋण दिलवाने में सहायता प्रदान की जा रही है । योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के परिवारों को अनुदान राषि भी 20 प्रतिषत की अपेक्षा 25 प्रतिषत दी जा रही है । वर्ष 2007–08 में 40 अनुसूचित जाति के परिवारों को लाभान्वित किया गया तथा 2006–07 में 36 अनुसूचित जाति के व्याक्तियों को लाभाविन्त किया है ।

8 विधुत्

8.1 विघुतीकरण कस्बे एंव गांव व नलकूपो की संख्या

जिले के सभी गांवों एंव कस्बों में बिजली प्रदान की जा चूकी है। यहां पर वर्तमान में बिजली भाखड़ा–नंगल प्रोजेक्ट से लेकर (जिसका मुख्य सब स्टेषन पिंजौर) पूर्ति हो रही है । इसके अतिरिक्त सब स्टेषन (सूरजपुर) (सैक्टर–1 पंचकूला) (ओधौगिक क्षेत्र पंचकूला) (बरवाला) (मोरनी)) तथा मदनपुर हैं । जिला पंचकूला के सभी नगर व गांव इस की सप्लाई के अंर्तगत हैं । वर्ष 2007–08 को जिले में 1219.249 सर्कट किलोमीटर एल0 टी0 लाईनें तथा 1161.476 सर्कट किलोमीटर एच0 टी0 लाईनें एंव 3002 ट्रांसफार्मर हैं । वर्ष 2006.07 में जिले में नलकूप/पम्पिंग सैटों की संख्या 4996 है । जिसमें डीजल से चलने वाले पम्पिंग सैट एंव नलकूपों की संख्या 0 है ।

8.3 बिजली की खपत

वर्ष 2007–08 में जिले में 5035.37 लाख यूनिट बिजली का उपयोग किया गया । इसमें से 1846.54 लाख घरेलू क्षेत्र में, 636.88 लाख यूनिट वाणिज्य क्षेत्र में, 1461 लाख यूनिट ओधौगिक क्षेत्र में, 58.2 लाख यूनिट गलियों के प्रकाश 546 लाख यूनिट कृषि को, 362 लाख यूनिट बल्क सप्लाई रेलवे के लिए, 121 लाख यूनिट अल्प कार्यो के लिए उपयोग हुए । वर्ष 2007–08 में कुल संयोजनों की संख्या 115104 है जिसमें 98027 घरेलू, 11739 वाणिज्यक, 1600 औधौगिक, 3136 नलकूप व लिफट सिंचाई के लिए 130 गलियों के प्रकाश तथा जन स्वास्थ्य 03 भारी मात्रा व रेलवे के लिए व 298 अन्य हैं ।

9 खनिज

9.1 खनिज उत्पादन

खनिज पदार्थों के लिए जिला पंचकूला पहाड़ी क्षेत्र से लगने के कारण काफी पिछड़ा हुआ है यहां का मुख्य खनिज चूने का पत्थर है जो मल्लाटुण्डा पत्थर मोरनी की पहाड़ियों में पाया जाता है जो अब बन्द हो गया है अब रेता,बजरी का उत्पादन हो रहा है । वर्ष 2007–08 में जिला पंचकूला में 2672000 मीट्रिक टन बजरी व 2000000 मीट्रिक टन रेता का उत्पादन हुआ जिसका मूल्य क्रमषः 64113 हजार रु0 तथा 60000 हजार रु0 है । इस जिले में पत्थर बजरी निकालने के स्त्रोत मुख्यता घग्घर रीवर बैड व टांगरी नदी हैं ।

9.2 उधोग

जिला पंचकूला औधौगिक क्षेत्र भी अन्य जिलों से पीछे नही है।वर्ष 2007 में भारतीय उधोग नियमावली ब्यौरा 2 I, II तथा 85 के अधीन पंजीकृत उधोगों की संख्या 144 तथा पंजीकृत कार्यकारी फैक्टरियों की संख्या 144 थी तथा इन फैक्टरियों में नियुक्त कार्यकर्ताओं की अनुमानित संख्या 11620 थी ।

जिला पंचकूला में वर्ष 2006 में बड़े व माध्यम पैमाने के एंव छोटे पैमाने की 126 इकाईयां हैं जिनमें सूती कपड़े,कृषि उपकरण, मशीनी औजार विज्ञान का सामान तथा लघु उधोग ईकाईयां 17 खोली गई ।

9.3 आर्थिक गणना

अप्रैल 1998 में अधिक गणना की गई। इसके सभी गैर–कृषि उधम और पषुधन उत्पादन,कृषि सेवाऐं,शिवर ट्रेनिंग व खेतों का विस्तार वानिकी लीगिंग, मछली पकड़ना जैसे कि कृषि उसमें शामिल नहीं है । आर्थिक गणना के परिणाम यह दर्शाते हैं कि जिला पंचकूला में कृषि उधमों की क्रियाओं में 190 उधमी तथा गैर–कृषि उधम में 10637 उधमी कार्यरत थे व 46483 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त थे जिसमें 38860 पुरुष 7004 स्त्रियां थी । केवल प्रतिष्ठानों में कुल 33387 व्यक्ति मजदूरी पर कार्यरत थे ।

9.4 ओधौगिक सम्पदा

जिले में स्थानीय पंचकूला तथा पिंजौर में औधोगिक विकास कालौनियों की स्थापना की गई ।

9.5 लघु उधोग

वर्ष 2007–08 में जिले में 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत लघु उधोग की 70 इकाईयां खोली गई ।

10 सड़क परिवहन एंव सुधार

10.1 सड़कों की लम्बाई

वर्ष 2007–08 में जिला पंचकूला में 222 गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ लिया गया है । इसी प्रकार पक्की सड़कों से जुड़े गांवों की प्रतिशतता 99.11 हो गई है । जिले में मार्च 2007–08 तक 641 किलोमीटर पक्की सड़कें तथा 27 किलोमीटर कच्ची सड़कें थी । सतही पक्की सड़कें 533 किलोमीटर थी तथा असतही 42 किलोमीटर थी । इस प्रकार सड़कों की लम्बाई प्रति लाख जनसंख्या पर 137 किलोमीटर है ।

10.2 परिवहन सुविधा

वर्ष 2006–07 में हरियाणा राज्य परिवहन ने जिला के गठन पर 244 बसों के साथ डिपो शुरु किया था जिससे 84592 किलोमीटर की दूरी तय की जाती थी। इस जिले में पंचकूला तथा कालका दो डिपो हैं । इस डिपों की सूचना चण्डीगढ़ डीपो के साथ मिला कर दी गई है। वर्ष 2007–08 में इन डिपों में 226 बसें थी जिनसे 79090 किलोमीटर की प्रतिदिन दूरी तय की जाती थी । इन डिपो द्वारा हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू कश्मीर तथा दिल्ली क्षेत्र के 151455 यात्रियों को लाने ले जाने के प्रयोग में लाई जा रही हैं । वर्ष 2006–07 मे 258 बसें थी तथा इन बसों द्वारा प्रतिदिन 1.49 लाख यात्रियों को लाया व ले जाया गया । यात्रियों को धूप व बारिष से बचने के लिए बहुत मार्गो पर यात्री प्रतीक्षांलयशैड भी बनाए गये । वर्ष 2007–08 में 5078.16 लाख रु0 हानि हुई । जबकि 2006–07 मे 34.06 रु0 की हानी हुई हैा जिला पंचकूला में वर्ष 2006–07 के दौरान 30 दुर्घटनाऐं हुई जबकि वर्ष 2007–08 में 16 थी ।

10.3 पंजीकृत मोटर गाड़ियां

जिले में वर्ष 2007–08 में विभिन्न प्रकार के पंजीकृत गाड़ियों की संख्या 14314 है । कुल पंजीकृत वाहनों में 81.92 प्रतिषत पंजीकृत मोटर साईकल/स्कूटर व लगभग 5.67 प्रतिषत ट्रैक्टर हैं ।

10.4 डाक व तार

वर्ष 2007–2008 के अंत तक जिले में डाकघरों की संख्या 49 थी । जिले में वर्ष 2007–08 में 1 तारघर था ।

11 काम तथा रोजगार

11.1 औधौगिक झगड़े

वर्ष 2007 में ट्रेड संघों की संख्या 58 थी तथा 2007 में 10029 सदस्यों की सख्या है । वर्ष 2007 में औधौगिक झगडो की सख्या 93 है। वर्ष 2006 में हड़ताल व तालेबन्दियां 0 थी जबकि वर्ष 2007 मे भी 0 थी ।

वर्ष 2002–2003 में जिला पंचकूला में चालू कंपनियों की संख्याा 52 थी । 15 कम्पनियां सार्वजनिक तथा 37 कम्पनियां निजि हैं। वर्ष 2002–03 में 3 कम्पनियों को पंजीकृत किया गया जिनकी अधिकृत पूंजी 25 लाख रु0 थी श्रमिकों के विवादों को निपटाने के लिए वर्ष 2002 में जिला पंचकूला में एक श्रेम न्यायलय की स्थापना की गई । इससे पहले इनके निपटान अम्बाला में होते थे ।

11.2 रोजगार

जिले में वर्ष 2007 में जो रोजगार कार्यालय काम कर रहे हैं।इनमें से ग्रामीण क्षेत्र में 1 तथा शहरी में 2 स्थित हैं । लाईव रजिस्ट्रर के अनुसार जिला पंचकूला में वर्ष 2007 में 5601 व्यक्ति रोजगार प्राप्त करने हेतू पंजीकृत किये गये । इनमें से 1017 व्यक्ति अनुसूचित जाति के हैं।वर्ष 2007 में कुल रोजगार लोगो की संख्या 16 थी जिनमें से 4 व्यक्ति अनुसूचित जाति के हैं

11.3 औधौगिक प्रषिक्षण

जिले में कोई भी राजकीय बहुतकनीकी संस्थान नहीं हैं । जिला पंचकूला में चार औधौगिक प्रशिक्षण केन्द्र हैं जो पंचकूला, कालका मोरनी तथा रायपुररानी में स्थित हैं ।इनमें विभिन्न ट्रेडों के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। महिलाओं को सिलाई कढ़ाई सिखाने के लिए औधौगिक विधालय भी है इसके अतिरिक्त पिंजौर में मिट्टी के बर्तन बनाने का केन्द्र भी है ।

11.4 श्रमिक की औसतन मजदूरी

वर्ष 1972–73 में बढ़ई तथा लोहार की औसतन मजदूरी 12 रु0 थी जोकि वर्ष 2007 में बढ़कर 200/150 रु0 हो गई व अन्य कृषि मजदूरी की दर 120 रु0 हो गई । इस कार्य के लिए जिला पंचकूला में ग्राम बरवाला से कृषि श्रमिक भाव एकत्रित किये जा रहे हैं ।

12 सहकारिता

12.1 समितियां

जिला पंचकूला में वर्ष 2007–08 में सभी प्रकार की सहकारी समितियों की संख्या 5631 थी तथा सदस्य संख्या वर्ष 2007–08 में 219642 थी ।

12.2 उधार समितियां

वर्ष 2007–08 में जिला पंचकूला में सभी प्रकार की सहकारी समितियों की संख्या 5631 थी जिनमे से 5296 सहकारी आवास समितियां तथा 335 अन्य है।

13 बैंक

13.1 बैकों की संख्या

जिला पंचकूला में वर्ष 2007–08 में अनुसूचित एंव गैर–अनुसूचित बैंकों व इनकी शाखाओं की संख्या 95 से हो गई जोकि वर्ष 2006–07 में 76 थी । वर्ष 2007–08 में प्रति एक लाख की जनसंख्या पर बैंकिग सुविधा के लिए 9 शाखाऐं औसतन थी ।

14 कीमतें

14.1 थोक भाव

कटाई के समय वर्ष 2007–08 में गेहूं का औसतन भाव 1000रु0 तथा चावल (भूसा युक्त) का औसतन भाव 716.14 रु0 प्रति क्विंटल रहा ।

14.2औसतन खुदरा भाव

खाद्य वस्तुओं के प्रति किलोग्राम भाव वर्ष 2007–08 में गेहूं आटा 11 रु0 चावल 14रु0 सरसों का तेल 65 रु0 मूंग की दाल धुली 55 रु0 चीनी 25 रु0 गुड़ 18 रु0 वनस्पति घी(पांच किलोग्राम का टिन) 350 रु0 था ।

15 शिक्षा

15.1 विधालय एंव महाविधालय

जिला पंचकूला में वर्ष 2007–08 में प्राथमिक 274 राजकीय 72 अराजकीय माध्यमिक विधालय, 55 राजकीय तथा 38 अराजकीय उच्च/उच्चतर/वरिष्ठ माध्यमिक विधालय 60 राजकीय 45 अराजकीय हैं।

इसी प्रकार जिले में 6 महाविधालय हैं वर्ष 2007–08 में प्राथमिक पाठषालाओ मे 13789 माध्यमिक पाठषालाओं में 18056 उच्च/वरिष्ठ माध्यमिक/विधालयों में 59375 विधार्थी हैं वर्ष 2007–08 में जिले के कुल 6 महाविधालयों में 3886 विधार्थी हैं ।

15.2 अन्य प्रषिक्षण का कार्यक्रम

जिला पंचकूला में कालका, मोरनी तथा रायपुररानी में औधौगिक प्रषिक्षण कार्य कर रहे है तथा मोरनी में जे0बी0टी0 करने की सुविधा है ।

16 चिकित्सा एंव जनस्वास्थ्य संवाऐं

16.1 स्वास्थ्य संवाऐं

जिले में स्वास्थ्य सेवाऐं नगरपालिका तथा राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही हैं। वर्ष 2007–08 में जिले में 2 अस्पताल 13 डिस्पैंसरियां 9 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व 2 सामुदायिक केन्द्र जनसाधारण को चिकित्सा व स्वास्थ्य रक्षा प्रदान कर रहे हैं । वर्ष 2007–08 में इन अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या 306 थी । इसके अतिरिक्त वर्ष 2007–08 में 15 आयुर्वेदिक तथा 0 युनानी संस्थाएं भी कार्यरत हैं ।

16.2 जन्म तथा मृत्यु

वर्ष 2007 में 11542 बच्चों का जन्म हुआ तथा वर्ष 2007 में 2814 मौतें हुई।

16.3 परिवार कल्याण कार्यक्रम

जिले में सभी परिवार कल्याण केन्द्र सुचारु रुप से कार्य कर रहे है। जिले में वर्ष 2007–08 में परिवार कल्याण केन्द्रों को संख्या 2 थी। वर्ष 2007–08 दौरान जिले में 1997 व्यक्तियों ने परिवार नियोजन के लिए आपरेशन करवाये जबकि वर्ष 2006–07 में यह संख्या 1625 थी । वर्ष 2007–08 में आई0यू0सी0डी0 इनसरन की संख्या 4723 हो गई । जबकि वर्ष 2006–07 में यह संख्या 4611 थी ।

16.4 पीने के पानी की सुविधा प्राप्त गांव

इस जिले में वर्ष 2007–08 के दौरान सभी गांवों को पेयजल परियोजनाओं के अधीन लाकर पेयजल की सुविधा प्रदान की गई ।

17 कमजोर वर्ग

17.1 विषेष कार्यक्रम

जिला कल्याण अधिकारी, पंचकूला द्वारा वर्ष 2007–08 में विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत अनुसूचित जाति के अनेक गावों में निम्न सुविधा प्रदान की गई

1. मकान योजना

इस योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति लोगों को मकान बनाने के लिए 50000 रु0 की राषि अनुदान के रुप में दी गई । जिनके पास कम से कम 50 वर्ग गज भूमि का प्लाट या ऐसा कच्चा मकान हो जो रहने के योग्य न हो । वर्ष 2007–08 में ऐसे अनुसूचित जाति के 18 लाभपात्रों को 420000 रु0 की राशि अनुदान के रुप में दी गई जबकि वर्ष 2006–07 में यह संख्या 13 थी तथा अनुदान की राषि 650000 रु0 थी ।

2. पेयजल योजना

इस योजना की यह स्कीम बन्द हैं

3.हरिजन बस्ती सुधार योजना

इस योजना की यह स्कीम बन्द हैं

4.सिलाई प्रशिक्षण

वर्ष 2007–08 में 80 हरिजन विधवाओ/ गरीब लड़कियों को एक वर्ष सिलाई प्रषिक्षण दिया गया व 93414 रु0 छात्रवृत्ति दी गई जबकि वर्ष 2006–07 में 91694 रु0 छात्रवृत्ति दी गई यह छात्रवृत्ति 100 रु0 प्रति प्रषिक्षणार्थी को दिया जाता है।

5.उत्कृष्ठ कार्य करने वाली पंचायतों को प्रोत्साहन

इस योजना के अधीन उत्कृष्ठ कार्य करने वाली पंचायतों को प्रोत्साहन देने का कार्य आरम्भ किया गया । वर्ष 2007–08 में ऐसी 3 पंचायतों को 1,50000 रु0 प्रोत्साहन के रुप में दिये गये।

6.विधार्थी ऋण

इस योजना की यह स्कीम बन्द हैं

7. कानूनी सहायता

यह योजना बन्द हो गई है।

8. अर्न्तजातीय विवाह प्रोत्साहन

अनुसूचित जाति के लोगों को गैर–अनुसूचित जाति के लोगों द्वारा विवाह करने पर 50000 रु0 की राशि प्रोत्साहन के रुप में दी जाती है । वर्ष 2007–08 में 8 लाभपात्रो को 300000 रु0 की राशि प्रोत्साहन के रुप में दी गई । जबकि वर्ष 2006–07 में 6 लाभपात्रो को 200000 रु0 की राशि प्रोत्साहन के रुप में दी गई ।

9. हरिजन विधवाओं की लड़कियों को शादी के लिए आर्थिक सहायता

इस योजना के अंतर्गत हरिजन गरीब विधवा को अपनी लड़की की शादी के लिए विभाग द्वारा 15000 रु0 की राशि सहायता के रुप में दी जाती है ।

10.कन्यादान स्कीम

वर्ष 2005–06 में यह स्कीम इन्दिरा गांधी प्रियादर्श्नी विवाह शगुन योजना में परिवर्तित हो गई है।

11. इन्दिरा गांधी प्रिया दर्श्नी विवाह शगुन योजना

इस स्कीम के अंर्न्तगत वर्प 2007–08 में 222 लाभपात्रो को 2498400/–रु0 दिए गए। अनुसूचित जाति की लड़की की शादी पर 20000 /–रु0 अन्य जाति की लड़की की शादी 5100/रु0 दिये जाते है।

17.2 संघन षिषु विकास कार्यक्रम

जिले में खण्ड स्तर पर सघन षिषु विकास परियोजना कार्यरत हैं । इस प्रकार वर्ष 2007–08 में जिले में चार सघन षिषु विकास परियोजना हैं जिनमें कुल 295 आंगनवाड़ी के केन्द्र चल रहे हैं । यह परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्रियों एंव बच्चों की सुरक्षा जथा पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाती है । बच्चों एंव गर्भवती महिलाओं की टीकाकरण तथा उनके स्वास्थ्य की जांच की भी व्यवस्था है । इस योजना के तहत वर्ष 2007–08 में 6 मास से 6 वर्ष 18132 बच्चों व 5355 महिलाओं को लाभान्वित किया गया वर्ष 2006–07 में यह संख्या 23894 व 4658 थी ।

17.3 जिला ग्रामीण विकास एजैसीं

एकीकृत ग्रामीण किवकास कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी उन्मूलन की सबसे प्रभाव योजना है । इस कार्यक्रम के अंर्तगत ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे अनुसूचित जाति के परिवारों को अधिकतम अनुदान 10000 रु0 या कुल कर्जो का 50 प्रतिषत जो भी कम हो दिया जाता है । इसी प्रकार अन्य पिछड़ी जातियों (हरिजनों के अतिरिक्त) को 7500 रु0 अनुदान या कुल कर्जो का 33 प्रतिषत जो भी कम हो दिया जाता है । वर्ष

2007–08 में कुल 309 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया जिनमें 160 व्यक्ति अनुसूचित जाति के थे ।

17.4 खादी एंव ग्रामीण ग्राामोधोग बोर्ड

खाादी ग्रामोंधोग बोर्ड काम करने वाले उधमियों को ऋण उपलब्ध करवाता है 10 लाख तक ऋण प्राप्त करने वाले उधमियों को 25 प्रतिशत मार्जिन मनीनइेपकल सामान्य जाति के लोगो को तथा 35 प्रतिशत मार्जिन मनीनइेपकल अनुसूचित जाती, पिछडा वर्ग, अल्पसंख्यक व महिलाओं किसी भी वर्ग की हों दी जाती है 10 लाख से 25 लाख तक के ऋण केसो में 10 प्रतिशत मार्जिन मनी दी गई है इन स्कीमों में सामान्य वर्ग वर्ग के लागो को कुल प्रयोजन लागत का 10 प्रतिशत स्वयं जुटाना होता है तथा 5 प्रतिशत कुल प्रोजैक्ट लागत का अनुसूचित जाती, पिछडा वर्ग भूतपूर्व सैनिक व महिलाओं किसी भी वर्ग की हो लगाना होता है ।

खादी एंव ग्रामोधोग बोर्ड द्वारा वर्ष 2007–08 में ऐसे 28 काम करने वाले उधमियों को 167.95 लाख रूपये ऋण बैंको को अनुमोदित किया है जिसके लिए 45.88 लाख रूप्ये की सबसिडी प्रदान की गई है ये उधमीं मधुमक्खी पालन, सर्विस क्षेत्र जिसमें (आयुवैदिक दवाईयों का कार्य, टैन्ट हाउस, सटरिगं क्मपयूटर सैन्टर) वाषिगं प्लांट, फर्नीचर, कार्ड बोर्ड बक्सिज, आटा चक्की आदि कार्य कर रहे है

17.5 आवास योजना

जिला पंचकूला में आवास बोर्ड द्वारा वर्ष 2007–08 में उच्च आय वर्ग एच0आई0जी0)मध्यम वर्ग (एम0आई0जी0) तथा निम्न आय वर्ग(एल0आई0जी0) के 0 मकानों का निर्माण किया गया ।

18 विविध

18.1 नगरपालिकाएं

वर्ष 2007–08 में जिला पंचकूला में 3 नगरपालिकाऐं कार्यरत थी इन नगरपालिकाओं की कुल आय 1221 लाख रु0 तथा व्यय 1624 लाख रु0 था ।

18.2 हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा पंचकूला अर्बन स्टेट का विकास किया जा रहा है । केन्द्रशासित प्रदेश चण्डीगढ़ के साथ सटे होने कारण पंचकूला शहर का विकास बड़ी तेजी से हो रहा है। इस अर्बन स्टेट में और अधिक सैक्टरज के विस्तार किये जाने की प्रयोजना भी है । इस शहर में सोसाईटियों द्वारा कई सैक्टरों में मकान बनाये गये हैं । पंचकूला अर्बन स्टेट हरियाणा राज्य शहरी विकास में प्रमुख स्थान रखता है तथा ''ए'' श्रेणी में आता है ।

18.3 पुलिस अपराध तथा कारागार

वर्ष 2007 में जिला पंचकूला में 8 पुलिस स्टेशन तथा 16 चौकियां थी वर्ष 2007 में 1177 अपराधों में से 18 हत्या, 9 लुट, 25 अपहरण, दंगा 216 साधारण चोरी, 103 सेधमारी तथा 800 केस विविध प्रकार हैं । जिला पंचकूला में कोई कारागार नही है ।

18.4 दमकल केन्द्र

जिले में 1 दमकल केन्द्र है । वर्ष 2007–08 में 182 घटनाऐं हुई इन घटनाओं के कारण 2944300 लाख रु0 का नुकसान हुआ । 2007–08 मे एक व्यक्ति की करंट लगने से मृत्यु हुई।

18.5 मनोरंजन

जिले में वर्ष 2007–08 में 2 सिनेमाघर हैं जोकि मनोरंजन की सुविधा प्रदान करते हैं वर्ष 2007–08 में 3934 हजार लाख रु0 की कर के रूप में आय हुई ।

18.6 खेलकूद सुविधाऐं

जिला पंचकूला शहर में प्रतियोगिताए आयोजित करने के लिए मैदान की सुविधाऐं उपलब्ध हैं । अर्बन स्टेट पंचकूला द्वारा सैक्टर–3 में खेल स्टेडियम है । जिसमें लगभग सभी प्रकार की खेलों के आयोजन करने का प्रावधान है।

18.7 लघु सचिवालय

जिला पंचकूला अर्बन इस्टेट सैक्टर–3 में लघु सचिवालय का निर्माण किया गया है । इस सचिवालय में जिला स्तर कई कार्यालय स्थित हैं तथा अप्रैल 1998 में इसमें कार्यालय स्थानान्तरित हो गये थे ।

18.8 हरियाणा साकार के अधीन अमला के आंकड़े

इस जिले में 31 मार्च 2007 को कुल 7817 कर्मचारी/अधिकारी/कार्यरत थे जिनमें वर्ग–1 71 अधिकारी वर्ग–11 526 अधिकारी वर्ग–111 4403 कर्मचारी वर्ग–4 1854 कर्मचारी तथा फुटकर व कार्य प्रभावित 963 कर्मचारी थे।

सामाजिक आर्थिक सूचकांकों की सूची

जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किलोमीटर में	522
ग्रामीण (2001 की जनगणना के अनुसार)	385
षहरी (2001 की जनगणना के अनुसार)	4525
1000 पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या	823
अनुसूचित जाति की कुल जनसंख्या के साथ प्रतिषतता	15.50
कार्यकर्ताओं की कुल जनसंख्या के साथ प्रतिषतता	38.13

ग्रामीण की कुल जनसंख्या के साथ प्रतिषतता	55.50
षहरी की कुल जनसंख्या के साथ प्रतिषतता	44.50

	साक्षरता	शहरी	ग्रामीण	2001
पुरुष	87982	85799	92793	178592
स्त्रियां	69090	65403	53800	119203
जोड़	157072	151202	146593	297795

बीजें गये निविल क्षेत्र की भौगोलिक क्षेत्र से प्रतिषतता	42.11
कुल बीजे गये क्षेत्र की कुल बीजे गये निविल क्षेत्र से प्रतिषतता	51.10
बिजली की सभी उद्देष्यों के लिए प्रति व्यक्ति वार्षिक खपत	0.90
1000 स्कूल के बच्चों पर स्कूलों की संख्या	
प्राथमिक	10
माध्यमिक	13
उच्च/उच्चतर	03
एक लाख की जनसंख्या पर अस्पताल के बिस्तरों की संख्या	57
एक लाख की जनसंख्या पर बैकों की संख्या	9
एक लाख की जनसंख्या पर डाकघरों की संख्या	9
पक्की सड़कों के साथ जुड़े गांव की प्रतिशतता	99.11
प्रति पांच लाख जनसंख्या पर अस्पतालों की संख्या	2